proposal with the Central Government to take up these projects and complete them in time rather than cause delay which is causing the country loss to the tune of billions of rupees?

SHRI SIDDHESHWAR PRASAD: Irrigation is a State subject and these projects have got to be executed by the State Government. If there are inter-State problems we do try settle and sort out such problems. After they are sorted out, when such projects are ready, they have to be executed by the concerned State Governments.

माल भाड़े और यात्री किराये में वृद्धि की प्रतिशतता

+

*541. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे के वर्ष 1970 में प्रति टन और प्रति किलोमीटर माल भाड़ा और तीसरे दर्जे का प्रति यात्री प्रतिकिलोमिटर किराया अलग अलग क्या था और अब क्या है ;

(ख) वर्ष 1972-73 में उपरोक्त दरों में कितने प्रतिशत वृद्धि या कमी हुई; और

(ग) यदि रेलवे के माल भाड़े और किराये में वृद्धि हुई है तो जन साधारण के हित को ध्यान में रखते हुए अधिक सुविधायें देने के लिए कदम उठाये जायेंगे?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मुहम्मद शकी कुरैशी) : (क) से (ग). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख). प्रतिभाड़ा मीटरिक टन किलोमीटर और तीसरा दर्जा प्रति यात्री प्रति किलोमीटर औसत आय और उस में 1970-71 की तुलना में 1972-73 में हुई प्रतिशत वृद्धि ।

	1970-71 (पैसे)	1972-73 (पैसे)	1970-71 की तुलना में 1972-73 में हुई प्रतिशत वृद्धि
प्रति मीटरिक टन किलोमीटर प्रति औसत आय	5.43	5.74	5.71
तीसरा दर्जा प्रति यात्री प्रति किलोमीटर आय			
मेल	2.92	2.96	1.37
असाधारण	1.98	2.02	2.02

(ग) जन साधारण को और सुविधाएं प्रदान करने के लिए निम्नलिखित उपाय किये जा रहे हैं :—

(1) तीसरे दर्जे में अधिक प्रतीक्षालयों की व्यवस्था ।

(2) पीने के ठंडे पानी का प्रबन्ध ।

(3) अतिरिक्त टिकट खिड़कियां के खोलने की व्यवस्था ।

(4) जयन्ती जनता गाड़ियां चलाना।

(5) अतिरिक्त गाड़ियां चलाना/ वर्तमान गाड़ियों में अतिरिक्त डिब्बे लगाना ।

(6) स्टेशनों पर घोषणा कक्षों की स्थापना ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जो विवरण सभा पटल पर रखा गया है उससे यह स्पष्ट है कि 1970–71 की तुलना में तीसरे दर्जे के यात्रियों के किराए में प्रति किलोमीटर 1.37 प्रतिशत वृद्धि की गई है। और साधारण किराए में 2.02 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। में जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने यह फैसला किया है कि तीसरे दर्जे के किराए में वृद्धि से जो भी आय होगी उसे तीसरे दर्जे के यात्रियों को सुविधायें प्रदान करने पर ही खर्च किया जाएगा ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जिस तरह से इन्होंने तीसरे दर्जे के किराए में वृद्धि बताई है उसी तरह से में यह भी बताऊं कि बाकी क्लासिस में जो वृद्धि हुई है उस में सैकिड जो पहले था उस में 12 परसेंट का इजाफा हुआ है ए०सी० चेयर कार में 9 परसेंट का और ए०सी०सी० में दस परसेंट का। इसके बावजूद भी जो रकम हमें वसूल होगी किराए की वह तमाम लोगों की सुविधा के लिए इस्तेमाल की जाएगी खाली तीसरे दर्जे के लिए नहीं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : विवरण में जिन सुविधाओं का उल्लेख किया गया है उस में एक सुविधा यह भी है कि तीसरे दर्जे के यात्रियों को टिकट बांटने की खिड़कियों की संख्या को बढ़ाना। क्या यह भी यात्रियों की सुविधा है ? क्या यह रेलवे का कर्तव्य नहीं है कि टिकटों के लिए समुचित संख्या में खिड़कियां होनी चाहियें ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जब टिकट लेने वालों की तादाद ज्यादा हो और क्यू लम्बी हो तो लोगों को कष्ट होता है। इस वास्ते उनकी सुविधा के लिए ज्यादा खिड़कियां होनी चाहिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या आप इनके जवाब से सन्तुष्ट हैं ?

अध्यक्ष महोदय : सन्तुष्ट तो आपको होना चाहिये। मुझे अपने साथ शामिल मत करो।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : तो मुझे एक प्रश्न और पूछ लेने दीजिये। नई सुविधाओं का मंत्री महोदय ने उल्लेख दिया है। अभी तक जो तीसरे दर्जे में चलते थे वे अब दूसरे में चलने लगेंगे। क्या वे सुख का अनुभव नहीं करेंगे ? क्या कारण है कि इसका उल्लेख नहीं किया गया है ? इसका उल्लेख भी कर देते।

अध्यक्ष महोदय : जब ये रेलवे स्टेशन पर सत्याग्रह करें तो इनको सुविधा क्या देंगे ?

SHRI S. M. BANERJEE: Sir, I would like to know whether some of the recommendations of the Railway Reservation Committee were accepted and considered by Government. If so, I want to know whether they have also been implemented. In the matter of seat bookings and reservations, scandals are going on. So, I want to know whether these recommendations in regard to this have been accepted and implemented.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The Committee has given an interim report. Some of the recommendations have been accepted. Others are under Consideration.

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव: पिछले दिनों में अखबारों में आया था कि जो एक साल के बाद भी यात्रा करना चाहते हैं वे आज ही रिजर्वेशन करवा सकते हैं। मैं बम्बई गया था। वहां मैंने देखा कि लोग पहले से ही आ कर प्लेटफार्म पर सो गए थे इस वास्ते कि दूसरों के लिए उनको टिकट कटवा करके देना है या कुछ कमाना है। मैं जानना चहता हूं कि वास्तव में यह सुविधा है या असुविधा ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : इस सिफारिश को तजुर्बे के तौर पर इस वक्त आजमाया जा रहा है। अगर यह कामयाब रही तो इसको चलाया जाएगा नहीं रही तो नहीं चलाया जएगा।